लकड़ी और गोबर से प्राप्त ऊर्जा

912. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक वर्ष लकड़ी और गोबर से लगभग कितनी ऊर्जा पैदा की जाती है ;

(ख) क्या सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, ऊर्जा के इस परम्परागत स्रोत के विकास और संवर्धन के लिये सरकार की कोई योजना है ; और

(ग) यदि नहीं तो इसकी क्या वजह है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसंत साठे): (क) योजना आयोग के ऊर्जा जांच दल की रिपोर्ट के अनुसार 1984–85 में लकड़ी तथा गोबर (उपले) से उत्पन्न ऊर्जा का यथानुमान नीचे दर्शाया गया है :

ईंधन का स्रोत	मात्रा (मिलियन मीट्रिक टनों में)	ऊर्जा (गिग कैलोरिस में)
जलाने की लकड़ी	146.5	6.96×108
उपले	803	1.61×108

(ख) इस संबंध में सातवीं योजना अवधि में ऊर्जा पौध तथा सामाजिकरण सहित बायोगैस, बायोमास, उन्नत चूल्हे आदि जैसे कई कार्यक्रम जारी हैं।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

बिहार में ताप बिजलीघर

913. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि में बिहार में कोयले पर आधारित कितने ताप बिजलीघर स्थापित किये जाने की संभावना है और कहलगांव के ताप बिजलीघर में उत्पादन कब शुरू होगा ; और

(ख) पुराने संयंत्रों के पुनरूद्धार के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी): (क) सातवीं योजना के दौरान बिहार में दामोदर घाटी निगम के अन्तर्गत कुल 1060 मेगावाट क्षमता की, जिसमें 210–210 मेगावाट की 3 यूनिटें शामिल हैं कोयले पर आधारित छः ताप विद्युत यूनिटें स्थापित करने का कार्यक्रम है कहलगांव सुपर ताप विद्युत परियोजना (4×210 मेगावाट) की पहली यूनिट मार्च 1991 में तथा अन्य यूनिटें उसके बाद छः-छः महीने के अन्तराल से चालू किए जाने की संभावना है।

(ख) 67.26 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जिसमें केन्द्र का हिस्सा 25.81 करोड़ रुपये हैं बिहार में बरौनी, पतरातू और चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्रों में केन्द्र द्वारा पोषित एक नवीकरण और आधुनिकीकरण कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है।

Shares in M|s. Bombay dying by some Kathmandu based companies

914. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that M|s. Biswa Vyapar Private Limited of Kathmandu, M|s. Sterling Industrial Agencies Private Limited, Kathmandu and M|s Lekha Kiran Investment Corporation, Kathmandu are holding sizeable shares in M|s Bombay Dyeing and Manufacturing Company Limited and|or in M|s Nowrosjee Wadia and Sons;

(b) if so, what are the details thereof including the exact amount of holding and the amounts of dividend paid to each one of them in last three years;